वैश्विक अध्ययन केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली - 110007

संश्लेषण

(सी जी एस हिंदी मासिक पत्रिका)

मुख्य कथ्य- 'चुनावी लोकतंत्र : राजनीति बनाम रणनीति'

लोकतंत्र में चुनाव लोक के द्वारा तंत्र को चुनने का अधिकार देने के साथ इस बात का भी द्योतक होते हैं कि तंत्र की सत्ता का स्रोत यह लोक ही है। अतः इस तंत्र के सदस्य के रूप में जनता द्वारा जिन प्रतिनिधियों को चुनकर भेजा जाता है, उनसे लोक-सम्मत व्यवहार एवं लोक-कल्याणकारी राजनीति की अपेक्षा की जाती है। परंतु वर्तमान लोकतंत्रों में यदि चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो ज्ञात होता है कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने वाली यह प्रक्रिया राजनीति बनाम रणनीति के द्वंद्व में ही उलझ कर रह गई है, जिसमें राजनीतिक दलों एवं व्यक्तियों का उद्देश्य की राजनीति से अधिक उनकी साम, दाम, दंड, भेद युक्त रणनीतियों को सफल बनाना होता है, जिससे वे सत्ता प्राप्त कर सकें। ऐसे में लोक एवं तंत्र के मध्य प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने वाली चुनावी प्रक्रिया आगे चलकर उनके मध्य दुराव का कारण भी बनती दिखाई देती है, जो लोकतंत्र के मूल अर्थ के विपरीत होती है। इसी पृष्ठभूमि में प्रस्तुत कथ्य लोकतंत्र में चुनाव संबंधी राजनीति एवं रणनीति के विविध पक्षों पर गंभीर एवं सारगर्भित लेखों की अपेक्षा करता है।

लेखकों के लिए आवश्यक निर्देश

लेख मुख्य कथ्य '**चुनावी लोकतंत्र : राजनीति बनाम रणनीति**' के किसी भी आयाम पर आधारित होना चाहिए।

1. लेख हिंदी भाषा में ही स्वीकृत होंगे ।

2. टिप्पणियों एवं संदर्भों सहित लेख 2000 शब्दों तक सीमित होना चाहिए।

3. समस्त टिप्पणियाँ एवं संदर्भ लेख के अंत में सम्मिलित किए जाने चाहिए।

4. लेख निम्न प्रारूप के अनुसार होना चाहिए:

   क) अक्षर (फॉन्ट) - कृतिदेव 011 अथवा यूनिकोड

   ख) अक्षर आकार - 14

   ग) पंक्ति अंतराल - 1.5

   घ) संदर्भ प्रारूप - ए पी ए शैली

5. लेख मौलिक होना चाहिए। प्रत्येक लेख केंद्र के साहित्यिक चौर्य सॉफ्टवेयर (Plagiarism Software) द्वारा जाँच के पश्चात ही समीक्षा के लिए समीक्षकों को अग्रेषित होगा। निर्धारित मानक (10 प्रतिशत) से अधिक साहित्यिक चौर्य की स्थिति में आलेख अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

6. लेखक का नाम, पद तथा संस्थागत संबद्धता प्रथम पृष्ठ पर ही होना चाहिए।

7. सह-लेखन केवल दो लेखकों तक ही सीमित है। लेखक / सह-लेखक किसी भी रूप में केवल एक ही लेख प्रेषित कर सकते हैं।

8. लेखक/कों को एक प्रख्यापन / घोषणापत्र (संलग्न) देना होगा, जिसमें उन्हें यह घोषित करना होगा कि उनका यह लेख पूर्ण रूप से मौलिक है तथा अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।

9. लेख को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अंतिम निर्णय संपादक मंडल का ही होगा।

10. प्रकाशित लेख वैश्विक अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बौद्धिक संपदा होगा।

लेख प्रेषण:

लेख (घोषणा पत्र सहित) एम एस वर्ड प्रारूप में synthesis.cgs@gmail.com पर प्रेषित किया जा सकता है।

प्रेषण सीमारेखा:

लेख प्रेषित करने की अंतिम तिथि सोमवार, 14 फरवरी 2022 है।

संपर्क:

पत्रिका अथवा लेख के संबंध में किसी भी पूछताछ के लिए संपादक मंडल – synthesis.cgs@gmail.com / +91-11-27666281 से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

संपादक मंडल

घोषणा

मैं / हम _____

यह घोषणा करते हैं कि मेरा / हमारा यह लेख जिसका शीर्षक _____

है, पूर्ण रूप से मौलिक है। यह लेख अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।

[हस्ताक्षर]

[नाम]

[पद / संस्थान]

दूरभाष:

ई-मेल:

तिथि: **स्थान:**